

प्रेषक, टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,
मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 16 मई, 2006

विषय : वित्तीय वर्ष 2006-07 में आयोजनेत्तर मदों में सिंचाई संसाधनों के अनुरक्षण हेतु घनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त अनुभाग-1, उत्तरांचल शासन के पत्र सं० 908/XXVII(1)/2006 दिनांक 24.04.06 में दिये गये निर्देशों के क्रम में एवं आपके पत्र संख्या 2081/मु0अ0वि0/बजट/धी-1 सामान्य दिनांक 26.4.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिये वर्ष 2006-07 में कार्यों के अनुरक्षण हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में रू० 5130.98 लाख (रूपये इक्यावन करोड़ तीस लाख अठ्ठानबे हजार मात्र) की प्राविधानित धनराशि जिसका विवरण संलग्नक में अंकित है, को व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, एवं केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। खण्डवार/जनपदवार/कार्यवार फॉट की सूचना शासन को भी उपलब्ध करायी जाय।
- 2- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राविधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति आवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी आवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर पर्येज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1, वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम-1, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1। लेखा नियम-1 आद्य व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों

शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। यह भी उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीक का प्रयोग किया जाय।
- 5- स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- अब तक स्वीकृत धनराशि के कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 8- मासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग त्रैमास के अन्तर्गत कर लिया जायेगा। अवमुक्त की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 9- आवंटित की जा रही धनराशि का आहरण त्रैमासिक आवश्यकतानुसार ही किया जाये।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्नक में उल्लिखित उपशीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 94/वि० XXVII (2) /2006 दिनांक 15.5.06 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव


(3)

संख्या 2562 / 11-2005-03(08) / 05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, राज्य मंत्री, सिंचाई एवं ऊर्जा को गा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2- महालेखकार, ओबराय मोंटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2
- 4- श्री एम0एल0 पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- रागरत कोषाधिकारी / जिलाधिकारी उत्तरांचल।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

(5)

शासनादेश संख्या 2562 / 11-2006-03 (03)/06 दिनांक 16-5.06 का संलग्नक
(धनराशि लाख रु० में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक	आवंटित धनराशि
	2700-मुख्य सिंचाई, 80-सामान्य, 800-अन्य व्यय 05-प्रमुख अभियन्ता की रक्षित धनराशि	
1.	29-अनुरक्षण	7.50
2.	31-सामग्री एवं सम्पत्ति	32.00
	07-पेट्रोल गाड़ियों/पेट्रोल आदि हेतु	
3.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	2.50
	योग-2700	42.00
	2701 मध्यम सिंचाई, 10-तुमरिया योजना, 101-रखरखाव और मरम्मत, 02-अन्य रखरखाव व्यय, 0201-अनुरक्षण कार्य	
1.	28-अनुरक्षण	206.00
	0202-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	69.00
2.	11-दून नहरें	
	101-रखरखाव और मरम्मत	
	02-अन्य रखरखाव व्यय	
	0201-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	202.00
	0202-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	68.00
3.	12-हरिपुरा बौर बाघ व नहरें	
	101-रखरखाव और मरम्मत	
	02-अन्य रखरखाव व्यय	
	0201-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	169.00
	0202-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	50.00
4.	13-अन्य सिंचाई योजनाएँ	
	101-रखरखाव और मरम्मत	
	02-अन्य रखरखाव व्यय	
	0201-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	160.00
	0202-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	53.00
5.	20-शोध संस्थान रुड़की (अवाणिज्यिक)	
	101-रखरखाव और मरम्मत	
	02-अन्य रखरखाव व्यय	
	0201-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	30.00

क्र० सं०	लेखाशीर्षक	अवॉडित घनराशि
6.	80-सामान्य	
	052-मशीनरी तथा उपकरण	
	03-नवीन सम्पत्ति	
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	0.55
	04-मरम्मत	
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	0.33
7.	800-अन्य व्यय	
	05-प्रमुख अभियन्ता की रक्षित घनराशि	
	29-अनुसंधान	7.50
	31-सामग्री एवं सम्पत्ति	32.00
8.	07-मोटर गाड़ियों पेट्रोल आदि हेतु	
	15-गाड़ियों का अनुसंधान एवं पेट्रोल आदि की खरीद	2.50
	योग-2701	1049.88
1.	2702-लघुसिंचाई	
	03-रखरखाव	
	101-जल टंकी	
	02-अन्य रखरखाव व्यय	
	29-अनुसंधान	800.00
2.	102-लिफ्ट सिंचाई योजनाएँ	
	03-अनुसंधान कार्य	
	09-विद्युत देय	643.50
	29-अनुसंधान	105.60
3.	103-नलकूप	
	03-अनुसंधान कार्य	
	09-विद्युत देय	1700.00
	29-अनुसंधान	500.00
	योग-2702	3749.10
1.	2711-बाढ़ नियंत्रण तथा जल निकास	
	01-बाढ़ नियंत्रण	
	103-सिविल निर्माण कार्य	
	03-सिविल निर्माण कार्य	
	29-अनुसंधान	290.00
	योग-2711	290.00
	वृहद योग	5130.98

(रुपये इक्यावन करोड तीस लाख अठ्ठावनवे हजार मात्र)

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव